

DPN 5617

1. ANANTA VRATĀCARANA VIDHĪ
2. ANANTA STOTRA

Title : 1. अनंत व्रताचरण विधि 2. धान्य राशि पूजा विधि 3. DHĀNYA RA-
2. अनन्त स्तोत्र 4. जन्माष्टमी पूजा विधि . . . SĪ PŪJA VIDHĪ

Run. No. 6308

Cat. No.

Micro. No.

Subject विधि VIDHI

Religion : Hindu / Bauddha

4. ĀDITYA VRA-
TA VIDHI . . .

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. / *new direction in dhanya rasi*
Size in cms. 6'8 x 20 Folios 57 Lines (in a page) 7 *धान्य राशि पूजा विधि*
Compl. / Incompl. Chapt. / act / *विधि*
Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place *श्रीधर निवास*

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : *मण्डल*

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Mandala diagram included.

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

संस्कृत गद्य / Religious verse

ॐ अद्य सकलपाप क्षयानन्ता सुख प्राप्ति स्वर्ग लोकोपभोगानेक दिव्य वर्ष सहस्रावदिन्न लाभ
तदुत्त विष्णु लोक निवास कामो अनन्त पूजामर्ह करिष्ये ॥
समाप्ति वाक्य / colophon

इति भविष्योत्त पुराणे अनन्त व्रत विधानं समाप्तं ॥

१. नतो धान्य राशि पूजा विधिः ॥ नक्षत्रं मलको योग्य ॥

ॐ अथादि ॥ यजमानस्य वैश्वार्ति स्थापन धान्य राशि पूजा निमित्तवर्षः

... हेमलंकाल सौभाग्यं धन धान्यादय प्रभुं ॥ स्याम वर्त्ममहातेजां सर्वलक्षणं सौमित्रां ॥

समाप्ति / Ending

अत्र गंधादि ॥ सम्य दाम मादे दाय दाम ॥ सगुणादि दाम ॥ ...

इति धान्य राशि पूजा विधिः समाप्तः ॥

15

10

5

0

CMTS.

5

10

15

20



क न न
क न न

म न न
क न न

न न
क न न

क न न
क न न

क न न
क न न

क न न
क न न

क न न
क न न

क न न
क न न

क न न
क न न

क न न

क न न

क न न

15

0

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सा दधु कृष्ण मुदृष्ट्या ॥ अनन्यभावे जलविधिप्रवृत्त
 कथन ॥ पूर्वदिक्पिताम्ना ॥ धीमहि नमो वीर्यविधाय ॥ गदगदवीर्यत्वा ॥ संध्यादियावदकनि
 यकृत्य निर्वर्त्य ॥ शुद्ध ॥ गामथाय लिख्यमानो यद्गामाम ॥ ध्वजगुल्लु ॥ नलिखितान
 न ॥ अमुकनाय विनवशा ॥ मकलगीसरुला ॥ मयूरुस्काया ॥ गदयेत्रिकुणविनिर्मितं च
 शुद्धजमनकीनिवशाय ॥ गता वृत्तमावक ॥ ॥ यथगावनिरिवावसा ॥ गाम
 नाकनयूर्यनिधाय सुयार्थिकर्तव्यं ॥ ॐ अद्यादि ॥ वाक् ॥ ॐ एहि सु

0

जावाऽण्डगत्यना ॥ अनूकयायमरुक्ता गृहाणार्थदिवाक ॥ अस्मद
 वप्रिः ॥ कृष्णमुद्रवर्णयनगन्तोमिगिवरा ॥ सुर्व ॥ भगवन्सूर्यस्वस्त्यनीविजयीरुव
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

0

centimeter 5 10 15 20

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

नि॥ उ॥ न॥ क॥ व॥ शः॥ स्वा॥ रु॥ ॥ उ॥ था॥ ग॥ या॥ ग॥ ॥ उ॥ म॥ श्र॥ सु॥ य॥ ॥ उ॥ म॥ म॥ ल॥ स॥ त्रा॥ सि॥ ॥ उ॥ म॥ क॥
 बा॥ जा॥ ॥ ॥ द॥ र्थ॥ वा॥ ॥ उ॥ म॥ मि॥ त॥ ॥ ॥ सि॥ न्द्र॥ व॥ रा॥ ज॥ न॥ ॥ उ॥ ग्री॥ श्र॥ मे॥ ॥ ॥ उ॥ स्त्रा॥ कि॥
 न॥ न्द्रा॥ ॥ उ॥ वि॥ श्र॥ वा॥ त॥ ॥ उ॥ म॥ नि॥ द्द॥ वि॥ ता॥ ॥ उ॥ श्रो॥ ॥ ग॥ नि॥ ॥ उ॥ म॥ क॥ ॥ ॥ उ॥ या॥ ॥
 रु॥ लि॥ नी॥ ॥ उ॥ म॥ न॥ य॥ न॥ ॥ उ॥ धू॥ व॥ सि॥ ॥ उ॥ न॥ जा॥ सि॥ ॥ उ॥ म॥ ना॥ कृ॥ ति॥ ॥ य॥ नि॥ श्र॥ ॥ ॥
 स॥ क॥ ल॥ वा॥ क॥ ॥ उ॥ म॥ श्र॥ स॥ क॥ ल॥ या॥ य॥ क॥ य॥ त्वा॥ न॥ क॥ स॥ र॥ व॥ या॥ कि॥ स॥ र्ज॥ ला॥ का॥ य॥ श्र॥ आ॥ न॥ क॥
 दि॥ वा॥ व॥ र्थ॥ स॥ रु॥ मा॥ व॥ कि॥ न॥ ला॥ रु॥ न॥ द॥ रु॥ व॥ वि॥ कृ॥ ला॥ क॥ नि॥ वा॥ स॥ का॥ मा॥ न॥ क॥ यू॥ जा॥ म॥ रु॥ क॥
 वि॥ श्र॥ ॥ ॥ वृ॥ कि॥ रि॥ व॥ क॥ यू॥ या॥ स॥ न॥ ॥ ॥ क॥ यू॥ या॥ मा॥ द्वा॥ ली॥ ॥ ॥ क॥ नि॥ व॥ सि॥ रु॥ व॥ ली॥ ॥

॥ व॥ न्द्रु॥ न॥ गृ॥ ही॥ त्वा॥ न्या॥ सु॥ ॥ उ॥ म॥ न॥ का॥ य॥ द्द॥ द॥ या॥ य॥ न॥ म॥ ॥ ॥ ष॥ उ॥ ग॥ ॥ ॥ क॥ र्थ॥ या॥ न॥ यू॥
 जा॥ ॥ उ॥ ग॥ रु॥ थ॥ न॥ म॥ ॥ उ॥ य॥ म॥ ना॥ थ॥ न॥ म॥ ॥ उ॥ गा॥ दा॥ व॥ थ॥ न॥ म॥ ॥ उ॥ स॥ व॥ स॥ थ॥ न॥ म॥ ॥ उ॥
 नि॥ म॥ द्वा॥ र्थ॥ न॥ म॥ ॥ उ॥ सि॥ ध॥ व॥ न॥ म॥ ॥ उ॥ का॥ व॥ थ॥ न॥ म॥ ॥ आ॥ वा॥ रु॥ ना॥ दि॥ ध॥ न॥ म॥ ॥ ॥
 न॥ ना॥ र्थ॥ या॥ श॥ द॥ क॥ न॥ स॥ द्वा॥ न॥ व॥ नि॥ न॥ सि॥ ध॥ र्थ॥ ॥ ॥ उ॥ उ॥ रु॥ व॥ नि॥ ध॥ व॥ जा॥ ना॥ रु॥ मा॥ य॥ द्द॥ न॥
 वा॥ सि॥ नी॥ ॥ म॥ क॥ या॥ नि॥ स॥ म॥ य॥ न्ना॥ म॥ क॥ न॥ म॥ मृ॥ त॥ ज॥ ली॥ ॥ नि॥ ल॥ क॥ वि॥ धा॥ य॥ यू॥ ध॥ ॥ ॥
 न॥ ना॥ द्वा॥ व॥ यू॥ ज॥ न॥ ॥ उ॥ यू॥ द्वा॥ वा॥ य॥ न॥ म॥ ॥ उ॥ ना॥ म॥ ना॥ व॥ ला॥ य॥ न॥ म॥ ॥ उ॥ ज॥ या॥ य॥ न॥ म॥ ॥
 उ॥ वि॥ ज॥ या॥ न॥ म॥ ॥ ॥ द्वा॥ व॥ म॥ ॥ ॥ उ॥ वि॥ कृ॥ ष्ठा॥ य॥ न॥ म॥ ॥ उ॥ द॥ कि॥ ल॥ द्वा॥ वा॥ य॥ न॥ म॥ ॥

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

ॐ ज्ञायसतावलायनमः॥ ॐ वज्रायनमः॥ ॐ वज्रायनमः॥ द्वात्रयमः॥ ॐ व
 राहायनमः॥ ॥ ॐ यष्टिमद्यायनमः॥ ॐ त्रीयुतावलायनमः॥ ॐ धावन
 मः॥ ॐ विधावनमः॥ द्वात्रयमः॥ ॐ कयितायनमः॥ ॥ ॐ उरुवद्यायनमः
 ॥ ॐ रुमतावलायनमः॥ ॐ विष्णुनायनमः॥ ॐ कृग्यालायनमः॥ द्वात्रयमः॥
 ॥ ॐ नवसिंहायनमः॥ ॥ गलायनमः॥ वायव्यं॥ ॥ ॐ वृथायनमः॥
 ह्रीं नमः॥ ॥ ॐ थाजिनीस्थानमः॥ ज्ञानमः॥ ॥ ॐ कृग्यालायनमः॥ नमः
 ॥ ॥ मः॥ ॐ ज्ञाधवावशक्यनमः॥ ॐ मधुकायनमः॥ ॐ यकृथेनमः॥ ॐ कृ
 पूमः पूर्वाधुनाकी॥ ॥ यग्रीवाश्चलएडा२ गंदाधनायश्चासुदेवाय२

ॐ उनेम्यायनमः॥ ॐ भ्रम्यायनमः॥
 म्यायनमः॥ ॐ जूनकायनमः॥ ॐ धृथिथेनमः॥ ॐ कीवसिन्धवनमः॥ ॐ सुतदी
 यायनमः॥ ॐ मलिमधुयायनमः॥ ॐ कल्यायनमः॥ ॐ वलवदिकायनमः॥
 ॥ ॐ धर्मायनमः॥ ॐ कूनायनमः॥ ॐ वराकूनायनमः॥ ॐ कूवेवाकूनायनमः॥ ॐ कू
 नेश्वर्यायनमः॥ ॐ जूनकायनमः॥ ॐ ज्ञानकक्यायनमः॥ ॐ सीविन्नायनमः॥
 ॥ ॐ सर्वगत्वात्मकयद्यायनमः॥ ॐ यकृनिमययग्नस्थानमः॥ ॐ विकारमयकः॥
 वस्थानमः॥ ॐ यश्चशङ्खलुवीजायकृत्तिकायनमः॥ ॐ रुदयायनमः॥ ॐ निवसनं
 मः॥ ॐ निखायनमः॥ ॐ कवचायनमः॥ ॐ नगुग्यायनमः॥ ॐ कूकायनमः॥

ॐ भ्रम्यायनमः॥

15

10

वायनमः॥ॐ॒गङ्गायनमः॥ॐ॒सर्वथायिननमः॥ॐ॒ब्रह्मवायनमः॥ॐ॒विश्व
 दूयायनमः॥ॐ॒महाकालायनमः॥ॐ॒सृष्टिसिद्धिर्मादककनमः॥ॐ॒गुनका
 यनमः॥ॐ॒विष्णुवनमः॥ॐ॒यक्ष्मनारायनमः॥ॐ॒केशवायनमः॥ॐ॒नवसिंहा
 यनमः॥ॐ॒वामनवायनमः॥ॐ॒त्रिकुञ्जनाथायनमः॥ॐ॒तिवगुर्द्वगुवला
 धियतिः॥ ॥ॐ॒गुनकायमयूमूर्त्यनमः॥ॐ॒गुनकायकूमूर्त्यनमः
 ॥ॐ॒गुनकायववारुमूर्त्यनमः॥ॐ॒गुनकायनवसिंहमूर्त्यनमः॥ॐ॒गुन
 कायवामनमूर्त्यनमः॥ॐ॒गुनकाययवगुवाममूर्त्यनमः॥ॐ॒गुनकायवा

5

ममूर्त्यनमः॥ॐ॒गुनकायवृद्धमूर्त्यनमः॥ॐ॒गुनकायकृष्णमूर्त्यनमः॥
 ॐ॒गुनकायकल्मिषमूर्त्यनमः॥ॐ॒तिदशावतावः॥ ॥ॐ॒केशवायशील
 नमः॥ॐ॒नानायवायवागीश्वरीमवस्त्रयेनमः॥ॐ॒माधवायकाशोदाशो
 नमः॥ॐ॒गङ्गाविन्दायक्रियायेकाकायेनमः॥ॐ॒विष्णुवशाकायेदाकायेनमः॥ॐ॒मधू
 सूदनायधृष्टेविधृष्टेनमः॥ॐ॒त्रिविक्रमायलूकायेगुनीकायेनमः॥ॐ॒वावना
 येषीष्टेगुनीष्टेनमः॥ॐ॒शीधवायवृष्टेधृष्टेनमः॥ॐ॒द्वीकेशायमायायेमाहि
 तायेनमः॥ॐ॒यक्ष्मनारायधीमतायेधर्मदायेनमः॥ॐ॒दाभादवायमहिमायेमति

0

centimeter 5

10

15

20

नामाय नमः॥ उँ माँ क्लीं ह्रीं श्रीं नमः॥ उँ सैयूँ क्लीं लङ्गाय नमः॥ उँ श्रीं ह्रीं क्लीं लङ्गाय नमः॥
 तीर्थवीणाकिं सद्दिनाय चन्दनाय नमः॥ ॥ ततः॥ उँ श्रीं ह्रीं क्लीं लङ्गाय नमः॥
 नन्दाय नमः॥ उँ श्रीं ह्रीं क्लीं लङ्गाय नमः॥ उँ श्रीं ह्रीं क्लीं लङ्गाय नमः॥
 नमः॥ उँ दक्षिणाय नमः॥ उँ दक्षिणाय नमः॥ उँ दक्षिणाय नमः॥
 उँ दक्षिणाय नमः॥ उँ दक्षिणाय नमः॥ उँ दक्षिणाय नमः॥
 ॥ ततः॥ उँ श्रीं ह्रीं क्लीं लङ्गाय नमः॥ उँ श्रीं ह्रीं क्लीं लङ्गाय नमः॥
 उँ श्रीं ह्रीं क्लीं लङ्गाय नमः॥ उँ श्रीं ह्रीं क्लीं लङ्गाय नमः॥
 सत्त्वान्नं पात्राय नमः॥ सत्त्वान्नं पात्राय नमः॥ सत्त्वान्नं पात्राय नमः॥

दं. ११. लं. ११. अं. ११. कं. ११.

ॐ कलाविरोचवायनमः॥ ॐ श्रीषट्पदेववायनमः॥ ॐ सीहावरोचवायनमः॥ ॐ
वक्राद्यादिमाहगलायनमः॥ ॐ कृष्णालायनमः॥ चन्द्रनादि॥ ॥
गंगागलायनियुजनी॥ ॐ गलायनयनमः॥ ॐ मूषासनायनमः॥ ॐ गलाध्ववाय
नमः॥ ॐ गजाननायनमः॥ ॐ मृद्धिदायनमः॥ ॐ सिद्धिदायनमः॥ ॐ नकदनी
यनमः॥ ॐ द्विमातुलायनमः॥ ॐ लम्बायनमः॥ ॐ गंगासूतायनमः॥ ॐ
ह्रस्वसूतायनमः॥ ॐ रुलम्बायनमः॥ ॐ गलाधिवाजायनमः॥ ॐ गलायनिमू
र्त्यनमः॥ चन्द्रनादि॥ ॥ गंगागवाद्येनी॥ ॐ नन्दार्थेनमः॥ ॐ रुद्रार्थेनमः॥

॥ श्रीकामाक्षीसूक्तम् ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

ᐅᓂᑦ ᐱᓕᓂᑦ ᐱᓕᓂᑦ ᐱᓕᓂᑦ ᐱᓕᓂᑦ ᐱᓕᓂᑦ ᐱᓕᓂᑦ ᐱᓕᓂᑦ ᐱᓕᓂᑦ ᐱᓕᓂᑦ ᐱᓕᓂᑦ

श्रीगणेशाय नमः ॥ रुद्रवतं नकाय श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ गणेशाय नमः ॥
 नमः ॥ ॐ मलयान्नसंस्तुतं सुगन्धं च सुशीतलं । विलयनं मया दत्तं गुरुणा
 यत्र भक्ष्यं ॥ रुद्रवतं नकाय श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ सिद्धं वमः ॥ ॐ रु
 नाः ॥ किं वदं वरुणः ॥ सिद्धं वंशीयं वरुणं । पत्नीं च सर्वलाकं गयं च वरुणं नमिष्य
 यः ॥ रुद्रवतं नकाय सिद्धं वंशीयं नमः ॥ ॥ १४ ॥ यज्ञाय वि नमः ॥ ॐ दामाद
 वनमस्तु गृहिर्मां रुद्रसागवा ॥ वक्रसूत्रं साकं वीर्यं गुरुणा यद्वदं रुद्रमः ॥ रु
 द्रवतं नकाय वक्रसूत्रं वक्रसूत्रं यज्ञाय वि नमः ॥ ॥ माला यज्ञाय नमः ॥

॥ मालां युव्यमनु॥

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

॥ ॐ मात्यानिवसुगन्धानिमान्त्यादीनिवयका मया कृतानियूजाऽर्थयूयं गृह
 नमामुत ॥ रुगवतं नकायमालायूयं नमः ॥ ॥ चतुर्दशगान्तिनमालायू
 यं ॥ ॐ वक्रादीं राक्षसं सर्वं वापीनमीध्वं विष्वयं महाकालं सुष्टिं
 हावकावकं ॥ अननकं नगाविष्णुं यदनां च कगवं नवसिंहं नतयथा वाम
 लीतिरुवलाधियं ॥ ॐ दयूयं मया दत्तं गन्तिनं भवचतुर्दशं गृहाय ददवदवगयी
 तारुवत्वनकक ॥ रुगवतं नकायचतुर्दशगान्तिनमालायूयं नमः ॥ ॥
 दमन ॥ ॐ कन्यारुससं जातं विगंदमनं गुरुं गृह्णाति वद्वेषीकं रुकिमुकि
 हृषीपूयं मया दत्तं सुहावकं समन्वितं ॥ गृहाय कपयाननकयथा करुतदाहव ॥

चतुर्दशकन्यपूयं ॥ ॐ दयूयं दहिजयं दहिदहिसेताग्रभवचा पूजिदहियं दहिधनं दहनमा सुता
 ददहिमं ॥ ॥ गुलशी ॥ ॐ गंगास्नानं यत्पूयं सर्वं नीर्धयत्कलीवासु
 ददप्रिया नित्यं गुलशीराग्रभाकदा ॥ रुगवतं नकायगुलशीयूयं नमः ॥ ॥
 १४ दूवाकनयूयं ॥ ॐ अननकं सावमहासमुद्रमग्नानुसमसुद्वववासदव ॥ अनन
 वृथविनिथाऊयस्वजनकवृयाय नमानमस्क ॥ रुगवतं नकायदूवाकनयू
 यं नमः ॥ ॥ यदयूयं ॥ ॐ यदनेकनदवर्षं थार्थयत्कमलं कपी ॥ वर्षायु
 तसरुस्रयायस्य कवृमं कर्यं ॥ ॥ नीलात्यल ॥ ॐ नीलात्यलीव वीयूयं
 यूयाधामुरुभाकर्म ॥ गृह्णाति कमलानाथलकमं रुकवत्सल ॥ रुगवतं नकाय

पुष्पाकुमारश्चक्रायश्चनर्मिहायश्चलहृदायश्चसुदवदवकीनन्दयश्च
यद्युम्नोयनमः॥ॐगुनिबुद्धायनमः॥ॐसूमन्त्रायनमः॥ॐदीक्षायेनमः॥ॐ
कूर्कसायेनमः॥ॐकीर्तिल्यायनमः॥ॐशीलायेनमः॥ॐग्रामदवसायनमः॥
ॐज्जादित्यानमः॥ॐसामायनमः॥ॐज्जागावायनमः॥ॐवृधायनमः॥ॐवृह
स्यतयनमः॥ॐशुक्रायनमः॥ॐशर्मायनमः॥ॐवारुवनमः॥ॐकनक
नमः॥ॐकुम्भनमः॥ (॥ॐगुप्तिनमः॥ॐरुद्रायनमः॥ॐकलिका
येनमः॥ॐवाहिन्येनमः॥ॐमृगशिरसेनमः॥ॐज्जादयेनमः॥ॐयूनवसे
नमः॥ॐयूषायनमः॥ॐज्जादयेनमः॥ॐमद्यायेनमः॥ॐयूवकायनमः॥

[illegible]

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

गन्धायनमः॥ॐ वृद्धयनमः॥ॐ ध्रुवायनमः॥ॐ व्याघ्रायनमः॥ॐ कृष्णा
 यनमः॥ॐ वक्रायनमः॥ॐ शुद्धयनमः॥ॐ व्याधियायनमः॥ॐ वक्रियायनमः॥
 नमः॥ॐ यत्रियायनमः॥ॐ शिवायनमः॥ॐ सिद्धयनमः॥ॐ साध्यायनमः॥
 ॐ गुरुयनमः॥ॐ शुक्रायनमः॥ॐ वक्रायनमः॥ॐ रुद्रायनमः॥ॐ वधूत
 यनमः॥ॐ सफाविशालियागन्धायनमः॥ (॥ॐ मेषायनमः॥ॐ वृषायन
 मः॥ॐ मिथुनायनमः॥ॐ कर्कटायनमः॥ॐ सिंहायनमः॥ॐ कन्यायनमः॥
 ॥ॐ तुलायनमः॥ॐ विष्णुयनमः॥ॐ धनूयनमः॥ॐ मकरायनमः॥ॐ कृष्ण

यनमः॥ॐ मीनायनमः॥ॐ द्वादशावागिस्थानमः॥ (॥ॐ यत्रियदाय
 नमः॥ॐ द्वितीयायनमः॥ॐ तृतीयायनमः॥ॐ चतुर्थायनमः॥ॐ पञ्चमीन
 मः॥ॐ षष्ठीनमः॥ॐ सप्तमीनमः॥ॐ अष्टमीनमः॥ॐ नवमीनमः॥ॐ दश
 मीनमः॥ॐ एकादशीनमः॥ॐ द्वादशीनमः॥ॐ त्रयोदशीनमः॥ॐ चतुर्द
 शीनमः॥ॐ पूर्णमासीनमः॥ॐ अमावासीनमः॥ॐ यत्रियदशनिधिस्थानम
 ॥ (॥ॐ मूकस्थानमः॥ॐ ववादिक्त्रलस्थानमः॥ॐ गुरुवागिस्थान
 मः॥ॐ यत्रियस्थानमः॥ॐ यत्रियदिद्वादशमासस्थानमः॥ॐ वसकादिष्वृ

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

तथाऽर्थः ॥ शिखरं चन्द्रवन्दनाद्वर्गयुष्यार्थकं लादिकं निधाय ॥ ॐ नमो वाताह
 कृत्य ॥ ॐ नमो वादि ॥ ॐ नमो नकाय साक्षयसयविवावायः दमर्धनमः सदाहा
 ॥ ॐ नमो भवदवदवशनमस्तु विष्णुवावना नमस्तु ननदवोयगृहाणाद्यसुव
 व ॥ ॐ ह्यर्थः ॥ ॥ लाजामुष्टिकयायुविष्टा ॥ ॐ मनादूतिविति ॥
 नूनकमूलमकुंजजयः ॥ ॥ यीनदुर्लुनमकुंजसयश्चयुष्यावकीर्तिवि
 धाय ॥ दवस्याऽग्याऽलियूटीकृत्यमुनिः यनीया ॥ ॥ ॐ नमो नका
 य ॥ ॐ निवद्वद्वानककनाथका नद्यानातिद्यानप्रलयानिकाला गानारुवदः
 आनातिकं दीया ॥ २

यवमात्मथानी नमो नमानकसुखयदाय ॥ १ ॥ नमो नमानकसुखयदाय ॥ स
 र्वोत्तमनसर्वगुणयदाय ॥ नमो नमानकसुखयदाय ॥ नमो नमानकसुखयदाय ॥
 ॥ २ ॥ नमो नमानकसुखयदाय ॥ नमो नमानकसुखयदाय ॥ नमो नमानकसुखयदाय ॥
 ददासिलाकनमनकनूर्यकनूर्ययद्वष्ट ॥ ३ ॥ नमो नमानकसुखयदाय ॥ नमो नमानकसुखयदाय ॥
 विगुगन्धादिसमस्तयुजां गृहाणाद्यदवशनमस्तु विष्णुवावना नमस्तु ननदवोयगृहाणाद्यसुव
 य ॥ ४ ॥ नमो नमानकसुखयदाय ॥ नमो नमानकसुखयदाय ॥ नमो नमानकसुखयदाय ॥
 भयुवुष्यायशास्त्रं सरुमुकाटीयुगधाविलानमः ॥ ५ ॥ नमो नमानकसुखयदाय ॥

मुनाय नावाय वायामि न विष्णु माय श्री गीश्वर का सिगदाधवाय नभाऽशुब
 सौयूयारुमाय ॥ ६ ॥ आद्याय वंदनिलयाय मरुदाय सिंहाय देहानि
 धनाय वरुणाय वृक्षं लुविष्णु मुनिवात्रासंयुताय दवा रुमाय वरदाय
 नभाय नाय ॥ ७ ॥ नाग लुका गंगाय नास न सुप्रियाय गोक्रीवरु मसूकनी
 लद्य नोयमाय पीताम्बवाय मधुकेठरु नागनाय रुक्मिण्याय वरदी कसू
 दर्शनाय ॥ ८ ॥ नारीसूजा गक मल्लु वरु मुखाय क्रीवा दकारु वनिक गन
 णारुनाय नाना विविगु मूकूटा रुद्र रुषाये सध्वंशवाय वरदाय नभाय

नाय ॥ ९ ॥ विश्वात्मनय वमका वलवामनाय कूला वविन्द कमलाय तलाचर्न
 याद वं लुदान वयवीषितयो वृषाय थागधवाय विजयानभावलाय ॥ १० ॥
 लोकाय नाय शिदशाय नाय वृक्षाय नाया लरुवाय नाया धर्माय नाय कऊ
 लाय नाय मरुदा वराहाय सदानतासि ॥ ११ ॥ अविनमय कूमन कमयूत
 नावाय लंकारु मादिदवी युगा कलशं यूरुषं सनातनं गम्भा सुदर्वंश वली
 ययध ॥ १२ ॥ अर्द्धतमकुंभ मनादि मधुं मरुषं था वृक्ष विदऽसूवशी वदकि
 यम्भे यूरुषं सनातनं गम्भा सुदर्वंश वली ययध ॥ १३ ॥ विविगु कयू वमरुार्थ

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

निष्कृत्वा लमात्रकृत सर्वगणं। यीगाम्बर्वकावलामादिधर्ममात्राधर्वकावम
 सूर्येति॥१५॥ रुवाङ्गर्ववदविदाम्बर्वकावलामादिधर्ममात्राधर्वकावम
 दित्यवत्ताम्बर्ववसूर्यवर्गयुक्तुप्रयश्चयुक्तमात्मरुतं॥१६॥ अननकगुणवला
 यविश्ववृषधवायव। नभामहात्मदहायेनूनकायनभामुतं॥१७॥ नभाला
 कहिगाथायनमः४यायुरुवायव। नमः४संसावसावायनमः४सागवशायिनं॥
 १८॥ अननकायनमसूर्यकुकिमुक्कियदायव। निभसानकवृषायसूर्यसिंहाव
 कावि॥१९॥ नभाला नकवृषायसर्ववसूर्ययदायिनं। नानानन्दयमायायय

नभालासूर्यवि॥२०॥ ॥मृत्पुञ्जयकलगा॥ उंशुद्धगानकशिवनि॥ ॥
 गव॥ उंअननकायनमसूर्यवासुकीतककायव। कक्काटिकाखयदधमहाय
 दनभामुतं॥ शंखपालनमसूर्यकुलिकायनभामुतं। म॥ ध्रुववृषवाजायना
 गवाजायननमः॥ ॥ वलि॥ उंनित्यानन्दयवशाकति॥ ॥ ग॥ ॥ उं
 विष्णुध्रुवायवीवाय॥ ॥ ग॥ ॥ उंनमस्ककपिलदवि॥ ॥ कीमारी
 ॥ उंकीमारीमयूवावृत्ति॥ ॥ ग॥ ॥ वरिद्धावांगादिसंमालका॥ ॥ कमाय
 ॥ ॥ उंउद्विष्टमलमूणादिशानककूटसंस्पृष्टा। अकूलीदशितंवायिकमयनी

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

राजनार्दन॥ कदाचित्स्वप्नसंरुक् सधवा यदि मे धूर्तं दनलग्नं गथानक क
 म्यर्गं राजनार्दन॥ ॥ इति विवाहविवाहमायुवासानवकवानवकानक
 प्रकारं। अथ धीविहसावदावविहोचवलो भमनसायिचिक्यामि॥ रुमि ३
 खलितया दानां रुमि ववावलम्वर्न। त्वयि जागायवाधानां त्वमवशावर्णं हव॥
 नान्यवदामिन रुजा मिनवाग्यामि। नान्यवदामिन रुजा मिनविक्यामि।
 नर्कवदीयवववा मयुजमादववा ग्रीणिवा सयूवृषारु मयदहियास्य॥ कर्म
 वा मनसावावा लका नान्यागतिर्मम। अथ ववा रुतानां हृष्टा लयवमथ

व४॥ अथवाधसरुमालि कियत रुनिर्गमया। दासारुमिति मां रुक्ता कमस्वय
 वमथ्वव॥ यायाहं याय कर्मोहं यायात्मा याय संरुव४। गारिमां यूलुलीका क
 सर्वयायववारुव॥ अथ गवर्णं नास्ति त्वमवशावर्णं मम। तस्मात्काववा राव
 नवकमां जगदीश्वर॥ आवाहनं न जाना मिन जाना मिति स र्जुनं। यूर्जावायिन
 जाना मिकमां जगदीश्वर॥ अनकवता वनविध अग्नं धयूष्यधूयदीय अ
 वनविध ४ तत्सर्वं यवियुक्तं ममु॥ नर्वमुत्तायून ४ कमस्वतियार्थयित्वा दणु
 पुला मंनयवम॥ यद्वा ममुलविसर्जुनं॥ ममुलसुयूष्यं निवसावहं॥ आ

[illegible]

गुवाक्कलपूजादक्लिषादानयर्थनैविधाय॥ तमाजानूयगलैरुमीनिधाय
दवस्यदक्लिषादाददक्लिषारुक्कनयष्ट्याविसर्जनायकृया॥ ॐ समस्तसर्वक
र्मायूजांसंयाद्यविधिवत्सम॥ वज्रदानीमनकल्वविष्णुलोकंयदृकृया॥ वक्त्रा
प्यायादिदवायययादिषवभंध्यव॥ नभानमस्तुवालिष्ठगच्छानकमहायुक्ता
॥ ॐ तिविसर्जनमस्तु॥ ॥ न्यासावम्य॥ सूयसोक्ति॥ दय्यंतामुया
गुनिधाय॥ कलगास्तुवकं॥ ॐ दवस्यत्वा॥ चन्दन॥ ॐ यददृक॥ सिद्धव॥ ॐ त्वं
जविष्टया॥ भारुनी॥ ॐ समिद्धागुजन॥ सगुण॥ ॐ दधिकाशा॥ यूप्याद्यैरुत्त

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

मितविक्रमस्य रुद्रः कावीर्यो न्यक्षिगलथ सरुमुजिह्व ॥ ४ ॥ नवीयरावारु
 गवाननका इव नवीर्यो नृणां नूरावः ॥ मूलं नसायाः शक्तिरज्ञात्मनः कथा
 लीलया शक्तिरथ विरुक्तिः ॥ ५ ॥ ॐ तिष्ठी रागव नयश्च मर्कटध्वनकसा
 र्ग ॥ ॥ ॥

१ गङ्गा धान्यवाणि यूजा विधिः ॥ नकर्सं मालका वाय ॥ धनधनकाव ॥ यजमान
 न ॥ ॐ गङ्गादि ॥ यजमानस्य वैश्वदेवस्यैका यनधान्यवाणि यूजा निमित्तार्थं वाक्
 ॥ पूज्यराज नूला राग नयि र्ग ॥ ॐ सिद्धि व मुक्तिया न भूति ॥ वाक्कलयुष्य
 राजनी समर्थ ॥ गङ्गादि ॥ यूजा यायु ॥ वदा कृषका वला ॥ वन्दन सिद्ध
 यज्ञाय वीतयुष्यादि ॥ गङ्गायाः ॥ ॐ यो हृदयादि ॥ ॥ ॐ गङ्गा धावादि गङ्गा
 सन ग ॥ ॐ गङ्गा वारुनाय नमः ॥ ध्यान ॥ ॐ पीतवर्णं महाकार्यं वीजयूत
 कथा विर्ण ॥ हर्मालं कालसी राग्यं धनधान्यादय यजुः ॥ स्याम वलुः महागंजी

१५ नमावाला गायलाय ॥ जमा पूमा वग विधि लिखा ॥ यथमना व
 ति हि ॥ स्नानादि शुचि वस्त्राद्य विधाय नित्य कर्म कला ॥ ॥ यत्तु भोगी
 मय न लययित्वा यद्वस न नृप यदा विलिखला जायति ॥ तत्तु मश्चि
 कां कायय ॥ तद्वय विवृणु मभय लिख ॥ अथ यद्वय न लिखित्वा कां का
 लि कां कायय ॥ तद्वय नु यद्वय मध्या ॥ कर्षु दक्षिणार्ध वक्त्रं वामार्ध मदा
 दकाधः यद्वय वामार्धः ॥ तद्वय नु यद्वय ॥ ॥ यद्वय नु यद्वय वक्त्रं

७ लाया गतिदा ॥ अग्निकाण्वा वालक सहिता राहिली ॥ दक्षिणार्ध वक्त्रं वक्त्रं
 कया वसुदवः ॥ नेमूय मूलां हलं धृगवान्बल रुदः ॥ पश्चिम वालक सहिता
 दवकी ॥ वायव्य दक्षिणार्ध वक्त्रं नन्द गायः ॥ अथ यद्वय न लिखित्वा कां का
 नायलादा उत्तर ॥ यद्वय कजय मालयूका गग्ने मूनि वीणानका ॥ ॥
 गगादी मृत्तिकाया व विगदवगा मृत्तिका ॥ ॥ यत्तु नु यद्वय मूल मूलं लायि
 र्मलाध ॥ ॥ मृत्तिका मय दवगाने वलाधर्मी मका वय ॥ ॥ स्नानार्थं

15

10

गद्य पद्यशृंगारदिनास्त्राह्वा ॥ चन्दनसिन्दूरचक्रायवागयूष्यमार्जुनदत्ता ॥
 विगतनशाकाशमालादिकीं सजीकृत्य दीपादिषु कालनैकत्वा ॥ तस्य सन्ध्याका
 लायथसति ॥ वक्तकथायां स्थाने ॥ मृदंगवाद्यादिगीतादिकावयव ॥ ॥
 श्रुता द्वे रागसमयवगालं हमावयव ॥ शिवायम्य पूष्यद्वयचन्दनाकयूग
 दवगताध्यानाथस्त्रायथव ॥ धूनिशुभयूष्याय ॥ यत्तस्मान्ननथमनुबलयाव ॥
 कर्त्तुं खड्गनर्क ॥ ॥ ॐ श्रुत्यादि ॥ यजमानानामष्टमविगालसु निमित्तार्थ
 कर्त्तुं गायत्र्युद्गानवश्रुतिनिमः ॥ ॐ भारुधकावति ॥ ॥ पूष्यरुजनैर्यु ॥ ॥

5

॥ ॐ कृष्णाय वासुदेवाय देवकी नन्दनायक ॥ नन्दगायकूमात्राय लोचिनाय
 यनमानमः ॥ ॐ सिद्धिस्तु क्रियाल ॥ ॥ वाक्कलममर्च्य ॥ वाक्कलनाचिसु
 यार्थ ॥ ॐ नूनमस्कात्रया सार्धपात्रयूजासमयूजनैव ॥ ॥ गताद्वागवर्जन
 ॥ ॐ गत्वायामीत्यादि ॥ स्नानतन्त्रक ॥ ॥ गताविलोचवदार्जन ॥ ॐ यूज
 न ॥ ॐ ॐ र्द्विष्ट ॥ ॐ ॐ रायगा ॥ ॐ दवधूमो ॥ ॐ विष्णुर्ध्वक ॥ ॐ दिवावा ॥ ॐ य
 तद्विष्ट ॥ ॐ विष्णुवराट ॥ ॐ विष्णुः ॥ कर्म्मालि ॥ ॐ तद्विष्टोऽयत्र ॥ ॐ यालिचदा
 ॥ ॐ सरुसुगावर् ॥ ॥ १२ ॥ ॐ निद्रादगनात्रायलस्य ॥ ॥ ॐ श्रुताकृष्ण ॥ ॐ ग

0

centimeter 5

10

15

20

15

10

तानामिन्द ॥ उँ वाक्कणासचि ॥ उँ सञ्चाजाता ॥ उँ मूर्द्धमासा ॥ उँ मूर्द्धनः
 यकृति ॥ उँ ॐ त्रुः ॥ उँ नक्षत्राः ॥ उँ नक्षत्राः ॥ उँ नक्षत्राः ॥ उँ नक्षत्राः ॥
 उँ मूर्द्धनः ॥ उँ सञ्चाजाता ॥ उँ मूर्द्धमासा ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥
 वरिष्ठो नक्षत्राः ॥ उँ विष्णु नक्षत्राः ॥ उँ वाक्कणासचि ॥ उँ सञ्चाजाता ॥
 उँ ययः ॥ उँ विष्णु नक्षत्राः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥
 धूर्वसि ॥ उँ गङ्गासि ॥ उँ याः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥
 ॥ कर्त्तव्यं कर्त्तव्यं कर्त्तव्यं ॥ उँ धर्मो धर्मो धर्मो ॥

य

5

सुरुवायगा विन्दाय नमानमः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥
 नक्षत्राः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥
 ॥ कर्त्तव्यं कर्त्तव्यं कर्त्तव्यं ॥ उँ धर्मो धर्मो धर्मो ॥
 लनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥
 यनमः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥
 ये ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥ उँ मूर्द्धनः ॥

0

centimeter 5

10

15

20

15

10

वंशेश॥ आवाहनादिधनमूढा॥ अर्घ्यागलीखनधर्मनिहाया॥ उँडरु
 वलियवणागा॥ हृषीपर्वगवासिनी॥ अर्क्यानिमूत्यनावाक्यममृत
 ऊर्ल॥ यगनगय॥ खाननकय॥ ॥ गगाद्यावधुजन॥ उँधूर्वद्वारा
 य॥ उँगामगावलाय॥ उँऊयाय॥ उँविजयाय॥ उँद्यावमध्ववकु
 लाय॥ ॥ उँदक्षिणद्यावाय॥ उँआयसगावलाय॥ उँवलाय॥
 उँप्रवलाय॥ उँद्यावमध्ववराहाय॥ ॥ उँपश्चिमद्यावाय॥ उँत्रोष
 गावलाय॥ उँधर्म॥ उँविष्णु॥ उँद्यावमध्वकथिलाय॥ ॥ उँडरु

5

0

centimeter 5

10

15

20

वद्यावाय॥ उँरुमगावलाय॥ उँविष्णुकुनाय॥ उँकयवालाय॥
 उँद्यावमध्वनवर्षिहाय॥ ॥ उँआध्वनकय॥ उँयूनकाय॥ उँस
 दाय॥ उँअंकुलाय॥ उँनालाय॥ उँयद्याय॥ उँयगाय॥ उँकणा
 य॥ उँकलिकाय॥ उँगङ्गासनाय॥ ॥ आवाहनी॥ उँआगङ्गा
 गवन्निष्ठासर्वगसर्वद्विहा॥ लयादकमलीरुक्तायूज्यामिसूत्रध्वन॥
 गगाध्वन॥ हृषीगयाआगनद्वारुल॥ उँविष्णुहावलिनीटा॥ उँव
 यगलाकल्यहावावनीधि॥ आणीरुषसर्वकामलिमकवमहाकुलामः

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

ॐ स पायति यवान् ॥
 कृष्णाय चन्दनं ॥ ॐ यदयं क ॥ ॐ योतवत् ॥ ॐ दं रुगवतं श्रीकृष्णाय श्री
 गवर्म्भं ॥ ॥ श्रीगवतं ॥ ॐ ॐ दं रुगवतं श्रीकृष्णाय श्रीगवतं ॥ ॥
 मालकां श्रीगवतं ॥ ॥ मालखान ॥ ॐ ॐ दं रुगवतं श्रीकृष्णाय श्री
 लायुर्ध्वं ॥ ॥ मालकां श्रीगवतं ॥ ॥ सुत्रेण ॥ ॐ ॐ दं रुगवतं श्री
 कृष्णाय श्रीगवतं ॥ ॥ पलखान ॥ ॐ ॐ दं रुगवतं श्रीकृष्णाय श्रीगवतं
 ॥ ॥ श्रीगवतं ॥ ॐ ॐ दं रुगवतं श्रीकृष्णाय श्रीगवतं ॥ ॥ धवने
 ॥ ॐ ॐ दं रुगवतं श्रीकृष्णाय श्रीगवतं ॥ ॥ धवाकन नीलायलादि

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

सकलगांकायस्नान॥ ॥ पूष्या अलि काय॥ ॐ स्नानाय स्नानं श्रवाय स्नानं
 येन यस्नानं सर्ववाय कृष्णाय पूष्या अलि समर्पयामि नमः॥ ३ ॥ तताद्या
 दशमूर्तिपूजनं॥ स्नानं तत्र॥ ॐ कंगवाय धीसहि गाय नमः॥ ॐ नावाय ल
 यवागीश्वरीसहि गाय २॥ ॐ माधवाय काकीसहि गाय २॥ ॐ लविन्दाय
 क्रियासहि गाय २॥ ॐ विष्णुवर्णाय सहि गाय २॥ ॐ मधुसूदनाय धृती
 सहि गाय २॥ ॐ विष्णुमाय ॐ सासहि गाय २॥ ॐ वामनाय धीति सहि ग
 य २॥ ॐ श्रीधराय त्रिपति सहि गाय २॥ ॐ हृषीकेशाय मायासहि गाय २॥ ॐ य

दनाहाय धीमतासहि गाय २॥ ॐ दामाधवाय महिमासहि गाय २॥ ॐ निद्रा
 दशनावाय ल॥ ॥ ॐ पूष्याकृष्णाय लक्ष्मीसहि गाय २॥ ॐ धीवामाय जीता
 सहि गाय २॥ कृष्णाय हृदयादिषु उद्भूत॥ आचारुनादि॥ ॥ धूप॥ ॐ रुग्
 वेगं कृष्णाय धूपार्थं नमः॥ ॥ दीप॥ ॐ रुग् वनेष्टी कृष्णा दीपार्थं २॥ ॥
 नेत्रद्वानिषाद॥ ॐ ॐ रुग् वनेष्टी कृष्णाय नेत्रार्थं २॥ ॥ रुल॥ ॐ ॐ रुग्
 वनेष्टी कृष्णाय रुलमूर्त्ति २॥ नामूल॥ ॐ ॐ रुग् वनेष्टी कृष्णाय नामूर्त्ति २॥
 कलखत॥ ॐ रुग् वनेष्टी कृष्णाय चित्रावसहि गाय ॐ रुलपूष्या नामूल

ॐ ध्यानायति ३

ॐ निष्पामति ४

यद्वर्षदवकीदव्यावसुदवा दूर्गाजनः॥ श्रीमत्यानिवृत्त्यु
कोत्तसिद्धकात्मनः॥

ॐ विष्णवे नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 धूपदीपनेत्रादि संकल्प सिद्धि वस्तु ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथादि ॥ यजमाना नोक्तं ब्रूजमाहमीव तन्निमित्तं यथा कृष्णाय सांगाय स
 गलय त्रिवा नाय ऋदमर्ष्य गुरुलखा रु ॥ ॐ जात ४ की सवधार्थं यं रुसाया
 इव लायव । गुरुल ॥ ॐ मया दहं दवकी सहित ४ यला ॥ ॐ खं पूज ॥ ॥
 लोका मृत्पुति ॥ ॐ भगवते नमः ॥ ॥ जाय ४ दाना कृत्वा ॥ मधुलला
 र्थ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कूर्णं पूज्या रुमी । वासुदेव दहं दवकी सहित ४ यला ॥ ॐ खं पूज ॥ ॥
 गहिमी दवदवग रुत ससाग ना ॥ गहिमी सर्वपाप ह्वा ५४ खं का रुसा त्परा ॥ सर्वे यं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 पतिगे मां रुवा रुत ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कं नृ सिं हं देव सुदनी । दामाद वं यदा नाहं कंग वंग नूठ वृजं । एता विन्दम
 यूगं कृष्ण मन नमय वाजिगी । नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नि विकर्मि लाकं गं नावाय लं वगु वृजं । ॐ खं वृज गदा यूकं वनमाला वि
 रुचिर्गं । एता वृजं कजग रुत ५४ यति ५४ धर्त रुवि । एता मामि मरुद वं जीक
 लं जग गायति ॥ नामा नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कथा गमायाये वाहिल्ले त नमो नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 मः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 गगा ॥ पुष्पना कनिम ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

यमूनयनमः॥ ॥ ब्रह्मदेवनमस्तु॥ याचा हं याचा यथावालाति॥
 अंगनादि॥ ॥ मलुलसूयसूयवर्ण॥ रुक्मिका लयिवाचमनी॥ ॥
 यवदक्षिणा॥ वाक्मलपूजादक्षिणा॥ यथाष्टाद्वानविष्मिस्तुर्व विधिच
 विचूर्णुमस्तु॥ ॥ धनयरागशुनकाव॥ यवविसर्जनवाक्॥ उडकिष्ठ
 यवला विन्दननागायादिहिःसरु। गर्भुयदवताः सर्वाः सुकानमितिह
 वः॥ उः सर्वयिसर्वयवरायसर्वयगयसर्वसीरुवायलाविन्दायनभानमः॥ ॥
 लखमलुलसूयगाकि॥ न्यासलिकायजिवाचमनी॥ ॥ गतायतीनहिषक

वन्दनसिद्धवसुल, सिद्धमारुसानदयकंश्राणीवदिविया॥ वाक्मलादि
 राजनी॥ वनिहिःयालनीकाव विवाचलयथा॥ ब्रुतिहसूजमाष्टमिवन
 विधानसमार्क॥ ॥  ॥ एवसर्वयदवत्वावावाला
 कृष्णयकक। ववीनवम्यालिखितवामरुदललमला॥ ॥

— 5

10

७१

10

15

20

[illegible][illegible]

लाकसुसमसोलायवृद्धय ॥ ॥ सिंधु ॥ उंरानातिवधवकानंमिद्व
 रंदलितंनवययतीकसु व लाकसुपुत्रुलरुलमिद्धय ॥ ॥ अक
 व ॥ उंअकतंयुद्धतांदवधमकामोथमाधकं ॥ उंयितीमत्रनंद
 हियनयुंयवगिति ॥ तन ॥ ॥ यक्षयवीनहियो ॥ उंवकसुग
 यवीतंयवकयनसवितंयहानदहिमकानंज्ञानदीयदिव
 कन ॥ देव ॥ ॥ उंयक्षयवीतंयवमं ॥ गवयस्यादिमंयउ
 मकातं ॥ ॥ दसवाता ॥ उंययसारुमिदवसुंरुक्तादलंविहा

वसायतिक्कववसाधंरानिनीमीपदाकन ॥ ॥ मालखान ॥ उंय
 यमालामिमिदवगुहाधनवृद्धय ॥ नानावृद्धिममायतीतसु
 योअवेश ॥ एकलसुमालखानतं ॥ ॥ ताखान ॥ उंयमदितनम
 सुमुदहिमवा ॥ अतिरुली ॥ दक्षवकानिबूषानिगुहाधचवमव
 व ॥ ॥ सुउदाकलचकनहिया ॥ उंदक्षवृद्धिर्नंदवदक्षय
 समन्वितं ॥ यसीदसर्वलाकगयत्थकरुलदाकव ॥ ॥ यल
 खान ॥ उंयययव्यानिवकानिसर्वकिलिषनागनं ॥ वकवलिष

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

दैदयमादित्ययाजतांरुवा ॥ ॥ उरुल ॥ उं नालात्यववर्नयध्वं
 व्याधामुलभाहर्म ॥ गृह्णतां न उमां नाथवक्रुमां रुकवत्सव ॥ ॥ धव
 न ॥ उं कन्दय्यरुससं जातं पतिरुं दमर्न ॥ उं ॥ द्वादशमत्सव गृहा
 न दं दुकिमुक्तिं च दहिम ॥ ॥ संसा ॥ उरुलं यविविधाकारै कद
 नीयते सादिकं ॥ उं कुर्यदादिमं न सं गृहाद्यवमं धव ॥ ॥ ग्वा
 ल ॥ ग्वा दलं उरुलं अकं अनंतं ॥ यवित्तमिर्ता ॥ गृहाद्यसर्वलाका
 नां यि रंतामूलमूलमं ॥ ॥ धवित्ता ॥ उं वलुनं धवसायनं न वं

अं यवित्तमिर्ता ॥ रवर्तं रवर्तं तथा ययं लहं या अं यव गृह्णतां ॥ ॥ मध
 ॥ सिद्धार्थं यव सायनं कान्तामयि समन्वितं ॥ नमामुदिनं नाभयय
 कान्तां यवित्तमं ॥ ॥ दियामुने ॥ उं ध्वयं द्यावदित्या न न्यजन
 कंदवर्ताजनी साया नि कंथ सह उं यवित्तमं धव ॥ ॥ दि
 यायिता ॥ उं आद्यं तं लमयं दीयं कान्तामयि रुत्तयदं ॥ रुक्मा
 यनीतमादित्य गृह्णतां न उमां न ॥ ॥ माहतीरु ॥ दवयाकं
 लाननं ॥ उं कतयुगयनमं ॥ उं कतयुगयनमं ॥ उं कतयुगयनमं

यश॥ॐ क विय गायश॥ॐ जल नोश॥ॐ रुद्र लोश॥ॐ कृ लिका योश॥
 ॐ रा हि लोश॥ॐ मृ गानि र भि॥ॐ ज्ञा ज योश॥ॐ यून व स शॐ यू य
 योश॥ॐ अ ह्मा योश॥ॐ म द्या योश॥ॐ यूर्व रु न्न लोश॥ॐ उ रु व रु
 न्न लोश॥ॐ ह्मा योश॥ॐ वि ग योश॥ॐ सा लोश॥ॐ ति ग योश॥ॐ
 ज न्वा धा योश॥ॐ अ द्या योश॥ॐ मू ला योश॥ॐ यूर्व द्या योश॥ॐ
 उ रु वा द्या योश॥ॐ अ हि योश॥ॐ अ द्या योश॥ॐ ध न द्या योश॥ॐ
 न त हि द्या योश॥ॐ यूर्व रु द्या योश॥ॐ उ रु व रु द्या योश॥ॐ न व द्या योश॥

ॐ अ द्या वि द्या ति न रु द्या योश॥ ॥ॐ वि र्क रु योश॥ॐ यो न योश॥ॐ ज्ञा य
 योश॥ॐ लो हा द्या योश॥ॐ लो हा ना योश॥ॐ ज्ञा ति न द्या योश॥ॐ ह्मा क र्म नोश॥ॐ
 न योश॥ॐ मू ला योश॥ॐ न द्या योश॥ॐ यूर्व योश॥ॐ अ द्या योश॥ॐ यो द्या ना योश॥
 ॥ॐ अ द्या योश॥ॐ क क योश॥ॐ अ द्या योश॥ॐ यो ति यो ना योश॥ॐ यो ति यो ना योश॥
 ॥ॐ यो ति यो ना योश॥ॐ ति यो ना योश॥ॐ ति यो ना योश॥ॐ ति यो ना योश॥ॐ ति यो ना योश॥
 ॥ॐ ति यो ना योश॥ॐ ति यो ना योश॥ॐ ति यो ना योश॥ॐ ति यो ना योश॥ॐ ति यो ना योश॥
 ॥ॐ ति यो ना योश॥ॐ ति यो ना योश॥ॐ ति यो ना योश॥ॐ ति यो ना योश॥ॐ ति यो ना योश॥
 ॥ॐ ति यो ना योश॥ॐ ति यो ना योश॥ॐ ति यो ना योश॥ॐ ति यो ना योश॥ॐ ति यो ना योश॥

नमः ॥ शुभ ॥ विष्णु ॥ धन ॥ मकर ॥ कुरु ॥ चीन ॥ द्वादश ॥ सनिराश ॥ ॥
 संयति यदा येन मः ॥ नर्वेदिनीया ॥ नृनीया ॥ वहुधि ॥ यैवभा
 ॥ अक्षमी ॥ मयमी ॥ अक्षमी ॥ नवमी ॥ दशमी ॥ नकादमी ॥ द्वाद
 मी ॥ त्रयादमी ॥ वहुदेमी ॥ धृष्टिमा ॥ उं अमावा ॥ १२ ॥ यैवदश
 निधिराश ॥ ॥ धनं धनका वखान ववतका विरय ॥ डि यालव
 नकादि यक ॥ वाक्कु ॥ उं दशमदि ह्यदशं दं हि ॥ अरुनी रा अमरु
 यं ॥ विनीगान् दशमशुग ॥ अजायुनावी अमं यदश ॥ मिजन याडव

लाहातस ॥ मि सायाखवलाहातस हा वकं ॥ वाघनधूनकावद
बजाय ॥ दवडाशधम्मनिचनिसेन ॥ तनाअयेयावकंइइल
अउलखवकथयदनगंस्वसतमावेकनकंते ॥ उअइवालाह ॥
अयादि ॥ दनादिस्वसतनिमिअर्थेहासूयोयुं दमये गहाल
हा ॥ उं नमास्तुसूयोयस हसुवसथनमास्तुदल्लननजातवद
स ॥ ममेव वाद्येयनिउक २ दवाथनमानमस्त ॥ नमारुगवत
दुखीनमस्तजातवदस ॥ दल्लमद्यमयाहानालीगहालनमास्तु

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

१ॐ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥
 नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥
 नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥
 नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥
 नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥
 नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥
 नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥
 नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥

ॐ हा गं ह्यस्यैति वृक्षस्य ॥ मूलमनु ॥ ५२४ ॥ सुवाय पूजा
 याय ॥ ॥ नमो भगवते ॥ धनं कुरु याय ॥ नमः शिवाय ॥ वतन
 तयकं स्नानं कुरु ॥ स्नानं कुरु नाहं कुरु न कुरु ॥ अयादि ॥ यजु
 मानस्य कुरु कुरु कुरु ॥ नमः शिवाय ॥ पूजा नमः शिवाय ॥ कुरु कुरु
 याय ॥ नमः शिवाय ॥ ॐ मां ह्यनु कारंति ॥ पूजां हंति नाहं नमः शिवाय ॥
 नमः शिवाय ॥ कुरु कुरु ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥
 ॥ नमः शिवाय ॥ स्नानं कुरु ॥ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

ॐ अथर्व वेदाय ॥ ॐ गद्यतय ॥ ॐ नृत्ताय ॥ ॐ यन्मयुनृत्ताय ॥ ॐ
 यन्मेषायुनृत्ताय ॥ ॐ यन्मायायुनृत्ताय ॥ ॐ आदिसिद्धिायुनृत्ताय ॥
 ॐ आभवनकाय ॥ ॐ कालान्निनृत्ताय ॥ ॐ मीमांसाय ॥ ॐ अनेका
 मनाय ॥ ॐ सिंहासनाय ॥ ॐ धर्माय ॥ ॐ स्नानाय ॥ ॐ वेनाय
 ॥ ॐ नैष्याय ॥ ॐ अथर्माय ॥ ॐ अस्नाय ॥ ॐ अनेनाय
 ॥ ॐ अनेन्याय ॥ ॐ अथर्माय ॥ ॐ अस्नाय ॥ ॐ अनेनाय
 ॥ ॐ अनेन्याय ॥ ॐ अथर्माय ॥ ॐ अस्नाय ॥ ॐ अनेनाय ॥

ॐ कलिकाय ॥ ॐ दामोदराय ॥ ॐ गङ्गाय ॥ ॐ नैकावल्लाहाकवकन
 कीर्त्यावाहन ॥ ॐ विमावाहयिष्यामिर्गवयकनदाधर्मा ॥ अन्तर्मा
 धर्मयोगवासमयुतं ॥ ॐ हिमं दवदवदयजानिर्मानकावका ॥ नाय
 नसुदव्यावमहासावेमिधनृत्ताय ॥ ॥ स्नानवायुतवावावावकनक
 तं ॥ ॐ योऽग्नयनयनव ॥ ॥ नमोऽग्नि ॥ ॐ अनेन्याय ॥ ॐ अनेनाय
 ॥ ॐ अनेन्याय ॥ ॐ अनेनाय ॥ ॐ अनेनाय ॥ ॐ अनेनाय ॥ ॐ अनेनाय ॥
 ॥ ॐ अनेनाय ॥ ॐ अनेनाय ॥ ॐ अनेनाय ॥ ॐ अनेनाय ॥ ॐ अनेनाय ॥

ॐ ३

मंरुर्नंदह य कुरु य व मं गति ॥ ॥ सि ध व ॥ ॐ श्री ग न्धर्वा म हा न ग व
स म चि नं । यो व रु ति ग ह न र्त्त ज ग द्वा न व रं द द ॥ ॥ ऊ र्ज म क ॥ ॐ
य ऊ य वी न मा य्वा नं मु नि हि त्रा य दं व नं । क्रा म जा म थ क्रा य्वा स
मू य वी नं पु ग र्म गी ॥ ॥ गा यान ॥ ॐ काला त्रि नं य थ ष्ठ र्थ य व
हृ सु र्ग धि ति ४ । वि वि रु ग ति न मा ली ग ह न थ व म न्थ व ॥ ॥ माल
लाने ॥ ॐ मा त्मा नि य सु र्ग धा नि मा ल ह्या द नि ल य ह ॥ म थ द नानि
धू कार्थ ष्ठ र्थ ग द्ध न मो मु नं ॥ ॥ रु ल णी ॥ ॐ गृ ही त्वा रु ल णी य रं

रु क्ता वि र्म सु म र्च य न । अ त्रि नं न स क लं स दं वा सु र मा नू षा ४ ॥ ॥
थ द ॥ ॐ यं द्रा क्रा य दी ह सा य थ द्वा ष्ठ र्थ य वी अ ॥ गृ हा ष थ द्वा
ष्ठ र्थ य रु कि मु कि य दं हि मं ॥ ॥ नी ल उ रु ल ॥ ॐ सु व रु थ ल म
न स रु ल य धा नि मा न व ४ । द त्वा ना ला य लं ह य न न क र्मा वि
वा र ॥ ॥ हि या दारु ल ॥ ॐ (ये न ष्ठ र्थ नि लं र्थ य मं ग ली ना ४
मं ग ली । वा सु द य ग ह न र्त्त इ वी क्ति ४ सु ष्ठ र्थ कं ॥ ध व न ॥ ॐ र्कं द र्क
रु स मं जा रं य वि र्गं द म र्कं उ र्कं । उ कि मु कि य दं दि र्ग वि ष्व रू य न मं मु

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

तं॥ ॥ अलखान ॥ ॐ माला नि मालया विष्णुः पूजिता येन कारुणिकाय
 यकृयकृता माला। ललाटतमामाजिता॥ ॥ वयतका ॥ ॐ अलखान
 तयेकस्मिन्माधवायै नमो दिता। दशदत्तासु वेक्ष्यति यत्कृती नदमा
 कुर्यात्॥ ॥ कंकव लखान ॥ ॐ कनवीरविभूषण कनवीरसहस्र
 का। कनवीरसमाकुंजी जाति विजयवा नहि॥ ॥ कृष्णवृ॥ ॐ कृष्णवृ
 ष्यसहस्राविंशति विष्णुमहेश्वरगणन दानेन नदयगणन प्रकृतं न
 गच्छति॥ ॥ निगू लखान ॥ ॐ निगू म्मात्रकमहसादि विष्णु म्मात्रकम

रुमी ॥ अलखान ॥ ॐ निगू म्मात्रकमहसादि विष्णु म्मात्रकम
 नं॥ ॥ नायू लखान ॥ ॐ नायू म्मात्रकमहसादि विष्णु म्मात्रकम
 आत ॥ अलखान ॥ ॐ अलखान म्मात्रकमहसादि विष्णु म्मात्रकम
 यं॥ ॥ अलखान ॥ ॐ अलखान म्मात्रकमहसादि विष्णु म्मात्रकम
 व कृष्णदयागमि समाकुंजी कृष्णदयागमि कृष्णदयागमि
 दियानुलगा ॥ ॐ दूरी कृष्णदयागमि कृष्णदयागमि कृष्णदयागमि
 जारुलनन उर्ध्व। मयया प्रानिमान वशा ॥ ॥ अया मोर्जा ॥ ॐ अ

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

यामार्गसहसाविज्रयामार्गगतानिचक्रनदाननदवदसर्वका
 मर्थसिद्धयः॥ ॥ यान्तयः॥ ॐ विलययः ॥ यथं कृत्वा कालिकवत्
 वद्धनीयूजयानिमहारुक्तामृकिर्लयांकरसिद्धा॥ ॥ ॐ नित्य
 वायव्ययूजा॥ ॥ ततागिवयूजा॥ खानतनकं॥ ॐ नदिनं॥ ॐ
 महाकालाय॥ ॐ नित्यं॥ ॐ विनायकाम्॥ ॐ वृषाय॥ ॐ
 नाय॥ ॐ दधौ॥ ॐ वधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥
 य॥ ॥ अकंवांलंयवांनवाहनी॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥

नृपदधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥
 ॥ ॥ तताध्वान॥ ॐ नित्यं॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥
 वृद्धावदातं॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥
 वृद्धावदातं॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥
 ॐ महात्मानं॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥
 वृद्धावदातं॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥
 ॐ महात्मानं॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥
 वृद्धावदातं॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥ ॐ दधौ॥

नीति लंप्यं वर्म गलानां वर्म गलं । निवदय गृहादलं दुर्घा कलु सुय
व्यर्क ॥ दयत का ॥ उं डा गय व्या तथे क सिन ॥ अर्क पात ॥ उं
कय व्या निव क सिन नि वा य वि नि व द य ॥ द ग द ला सु व ॥
निय रूलं न द वा न्यो ॥ इ ध र ॥ उं धू ल क न वा लि न सु
लूज थ न त व ॥ स न क रू ल र्वा र्क नि व ला क म ही य त ॥ ॥
जि न ला ल खान ॥ उं य वा य व्या स ह सं ग वा य व्या न ता निव
। य ल्प र्थ ग ल ह सा नि का टि का टि गु र्वा ह व ॥ ॥ ना ग द म न ॥

कलान ॥ उं डा गय व्या स ह सा नि का टि का टि गु र्वा ह व ॥ ॥ ना ग द म न ॥
न य मु नि व ला क म ही य त ॥ कालि क लान ॥ उं व ह ल्प व्या स ह सं
व ह ल्प व्या स ह सं क । व ह ल्प व्या नि य व्या म क न दू ज र्थ ॥ ला ला
खान ॥ उं व क य व्या स ह सा नि व क य व्या स ह सं क । न त लं क य दान
थ नि व ला क म ही य त ॥ क न वी र सा ॥ उं क न वी र वि ला ख न ला
दि ॥ य मा खान ॥ उं ना ग य म्प क य व्या व धू ल व क म्प सा ला । क ट
॥ स द क लु य व्या म द नि का ॥ म ली खान ॥ उं म नि का निव

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

लक्षणं न कर्तुं नु लिङ्गं यालमभयं न कालात्ता हनिष्या
 अथा ॥ १ ॥ गुरुयति मायां ययुष्यमं कर्तुं नु लिङ्गं कल्पकं पठि सहसा
 तिनत्र कर्तुं नैव गच्छति ॥ चतुर्वर्गं ॥ ॐ कर्मदं ययुष्यं सहसा ॥ वेला
 दि ॥ कर्तुं नु ॥ कर्तुं ययुष्यं सहसा ॥ ॐ कर्मदं ययुष्यं सहसा ॥ वेला
 सहसा द्वि ॥ आयुष्यं न ॥ ॐ कर्मदं ययुष्यं सहसा ॥ वेला
 ययुष्यं न ॥ ॐ कर्मदं ययुष्यं सहसा ॥ वेला
 हवद्यं न ॥ अयामार्गं ॥ ॐ अयामार्गं सहसा ॥ वेला
 ययुष्यं न ॥ ॐ कर्मदं ययुष्यं सहसा ॥ वेला

विद्यया नु ॥ ॥ विद्याधून ॥ ॐ वनस्य लुहं वदतं नानागंधं
 सुसंयतं ज्वाहलं सर्वदं वा नाधूया र्यं ये ते नु ॥ ॐ कर्मदं ययुष्यं सहसा ॥ वेला
 ताठ ॥ ॐ कर्मदं ययुष्यं सहसा ॥ वेला
 कर्तुं नु ॥ अयामार्गं ॥ ॐ अयामार्गं सहसा ॥ वेला
 वरुकिं नु ॥ अयामार्गं ॥ ॐ अयामार्गं सहसा ॥ वेला
 ॥ ॐ कर्मदं ययुष्यं सहसा ॥ वेला
 ताठ ॥ ॐ कर्मदं ययुष्यं सहसा ॥ वेला

15

10

॥ ७८॥ समायुक्तं तापूलं यनिष्टं ॥ ॥ तनायुध
 ॥ ७९॥ उर्वराय समायुक्तं यनिष्टं ॥ ॥ तनायुध
 ॥ ८०॥ उर्वराय समायुक्तं यनिष्टं ॥ ॥ तनायुध
 ॥ ८१॥ उर्वराय समायुक्तं यनिष्टं ॥ ॥ तनायुध
 ॥ ८२॥ उर्वराय समायुक्तं यनिष्टं ॥ ॥ तनायुध
 ॥ ८३॥ उर्वराय समायुक्तं यनिष्टं ॥ ॥ तनायुध
 ॥ ८४॥ उर्वराय समायुक्तं यनिष्टं ॥ ॥ तनायुध
 ॥ ८५॥ उर्वराय समायुक्तं यनिष्टं ॥ ॥ तनायुध
 ॥ ८६॥ उर्वराय समायुक्तं यनिष्टं ॥ ॥ तनायुध
 ॥ ८७॥ उर्वराय समायुक्तं यनिष्टं ॥ ॥ तनायुध
 ॥ ८८॥ उर्वराय समायुक्तं यनिष्टं ॥ ॥ तनायुध
 ॥ ८९॥ उर्वराय समायुक्तं यनिष्टं ॥ ॥ तनायुध
 ॥ ९०॥ उर्वराय समायुक्तं यनिष्टं ॥ ॥ तनायुध

5

विषयः
 ॥ जगद्भादि ॥ मलुल विमर्जन ॥ दत्तदक्षिण ॥ वाक्मलुल ॥
 दक्षिण ॥ नास ॥ सुयोमादि ॥ ॥ उर्वराय समायुक्तं यनिष्टं ॥ ॥ तनायुध
 माय ॥ ॥ उर्वराय समायुक्तं यनिष्टं ॥ ॥ तनायुध
 दत्तदक्षिण ॥ नास ॥ सुयोमादि ॥ ॥ उर्वराय समायुक्तं यनिष्टं ॥ ॥ तनायुध
 विमर्जन ॥ ॥ उर्वराय समायुक्तं यनिष्टं ॥ ॥ तनायुध

0

centimeter 5

10

15

20

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

...पदं नारुका॥ भर्मा कुरु स नाभिस्तु नक्षत्राहिनीयुता॥
 ...महं जातुनां स्वयी॥ लग्नव्याधुत एव कुरु शुभमेहोत्सव॥ उपवास
 स्थानियमंगुलीया रुकितावत॥ न केने वा पवासिन कुरुन कुरुन नदन॥ सफउत्तमकृतायाया
 मृगनागसंभय॥ पुण संतानमात्रागंधनधन्यादि संपदी॥ पत्रचकुर्यनास्ति
 स्मिन्नाशुचपाशुव॥ पश्चिन्ना॥ कालवर्षीयादीतिथानर्यं क्वचि॥ नचवाधितयते
 तुतस्मिन्नाशुचिपाशुव॥ नवेधवर्षनदीलम्भिन्नतु कसहातुव॥ इति कुरुवचनं
 युधिष्ठिरीपुति ॥